Issue -1
August, 2022

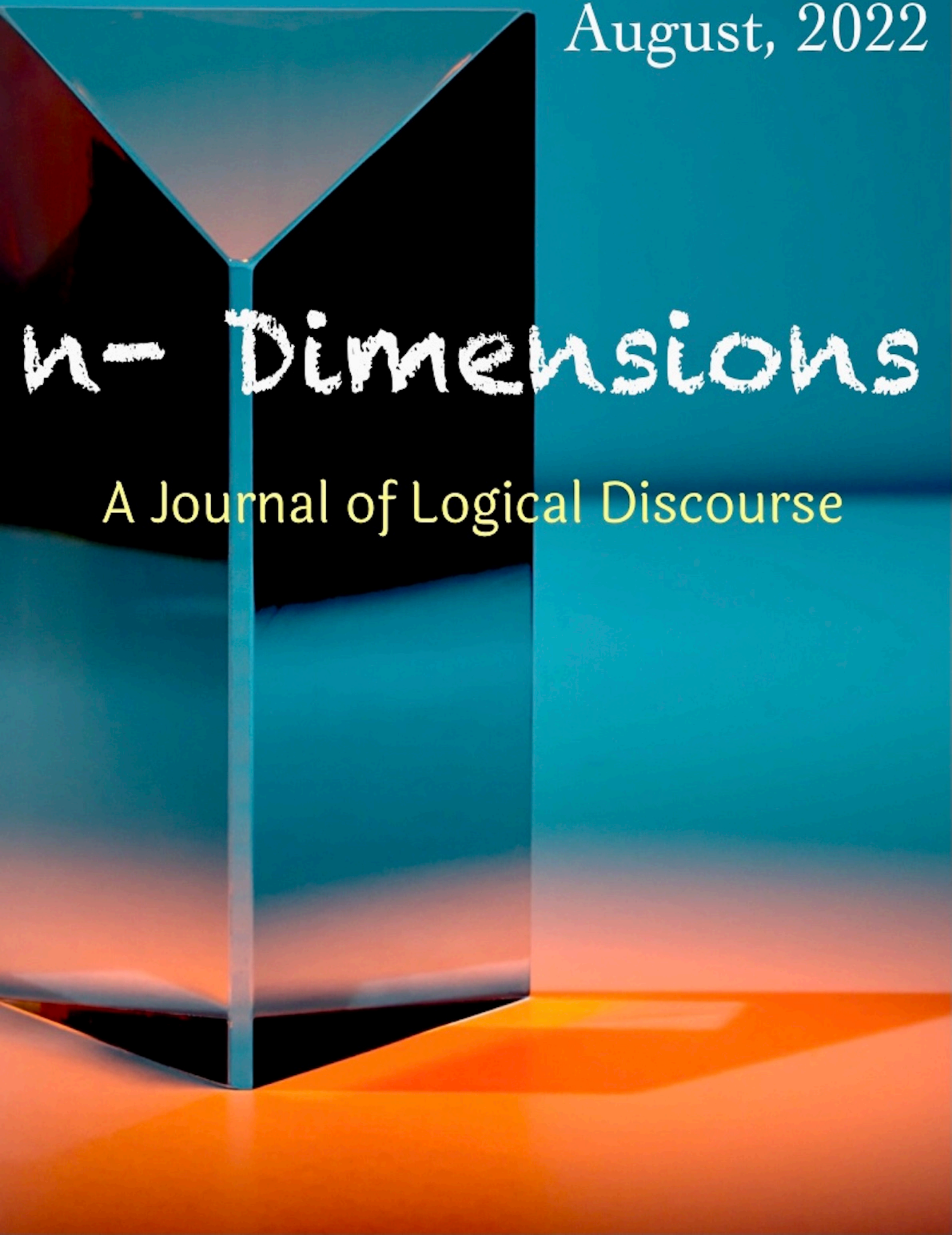

n- Dimensions

A Journal of Logical Discourse

n-Dimensions

A Journal of Logical Discourse

सम्पादक:
बिभाष कुमार श्रीवास्तव

अनुक्रम

सम्पादकीय 2

ब्रह्मांड का सृजन 4
आशीष श्रीवास्तव

ब्रह्मांड: धर्म और इतिहास 14
राकेश मिश्र

न्यूक्लीयर फ़िशन से न्यूक्लीयर बम तक का सफ़र 28
असग़र मेहदी

ग्रीक, चर्च और विज्ञान 53
असग़र मेहदी

सम्पादकीय

सन् 1976 में भारतीय संविधान के बायलीसवें संशोधन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक के मौलिक अधिकार में वैज्ञानिक मनोवृत्ति के विकास को शामिल किया गया। संविधान में नया पार्ट IVA जोड़ते हुए संविधान के अनुच्छेद संख्या 51 A (h) में लिखा गया है:

[It shall be duty of every citizen of India] to develop scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform.

मेरे और हमारे मित्रों के मन में हमेशा से विचार बना रहा कि समाज में विज्ञानोन्मुख मनोवृत्ति के विकास के लिए कुछ ठोस प्रयत्न किया जाए। अंततः एक पत्रिका प्रारम्भ करने का निर्णय किया गया। पत्रिका को प्रिंट रूप में प्रकाशित करने में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता । अतः यह निर्णय किया गया कि पत्रिका ई-बुक फ़ॉर्मैट में प्रकाशित की जाए।

पत्रिका के कई नामों पर विचार करते हुए विज्ञान के बहुआयामी रूप और प्रकृति को ध्यान में रखते हुए अंत में n-Dimensions, A Journal of Logical Discourse नामकरण तय किया गया। पत्रिका का नाम भले की अंग्रेज़ी में हो लेकिन पत्रिका को बहुभाषी रखने का निर्णय किया गया।

बहुभाषी का मतलब वर्तमान में सभी आधुनिक भारतीय भाषाएँ है। इस अंक में सभी लेख हिन्दी में हैं, लेकिन आगे प्रयत्न होगा कि भारत की अन्य भाषाओं

में लिखे विज्ञानपरक लेख भी छपें। प्रयत्न यह भी होगा कि प्रत्येक अंक की बिक्री से प्राप्त राशि को लेखकों के बीच बाँटी जाए।

यह पत्रिका के पाठकों द्वारा पसंद और स्वीकार किए जाने पर निर्भर है। पत्रिका को मासिक आधार पर निकालने का निर्णय किया गया है, हालाँकि यह सामग्री मिलने के ऊपर है। पहला अंक प्रस्तुत करते हुए आशा करता हूँ कि पाठकों को सामग्री पसंद आएगी और लेखकों को और लिखने के लिए प्रोत्साहित करते रहेंगे।

धन्यवाद

आपका

बिभाष कुमार श्रीवास्तव